CBSE कक्षा 12 मुद्रा एवं बैंकिंग
अर्थशास्त्र महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर

एक अंक वाले प्रश्न

प्र. 1. 'मांग जमाएं' क्या है?

उत्तर- वे जमाएँ जिनका आहरण (withdrawal) चैक द्वारा किया जा सकता है।

प्र. 2. नगद निधि अनुपात (CRR) को परिभाषित कीजिए।

उत्तर- यह व्यापारिक बैंक की कुल जमाओं का वह अनुपात है जिसे व्यापारिक बैंक को अनिवार्य रूप से केन्द्रीय बैंक के पास जमा करना पड़ता है।

प्र. 3. 'मुद्रा आपूर्ति' से क्या अभिप्राय है?

उत्तर- मुद्रा पूर्ति से अभिप्राय एक निश्चित समय पर देश में जनता के पास कुल मुद्रा के स्टॉक से है।

प्र. 4. मुद्रा आपूर्ति के घटक लिखिए।

उत्तर- मुद्रा आपूर्ति के घटक निम्नलिखित है-

1. जनता के पास करेंसी (सिक्के व नोट)
2. मांग जमाएँ।

प्र. 5. बैंक दर क्या है? यह रेपो दर से किस प्रकार भिन्न है?

उत्तर- वह दर जिस पर किसी देश का केन्द्रीय बैंक व्यापारिक बैंकों को दीर्घकालीन उद्देश्यों के लिए उधार देता है जबकि रेपो दर वह दर है जिस पर केन्द्रीय बैंक व्यापारिक बैंकों को उनके अल्पकालीन उद्देश्यों की पूर्ति के लिए उधार देता है।

3-4 अंक वाले प्रश्न

प्र. 1. केन्द्रीय बैंक के कार्य 'मुद्रा जारी करना' की व्याख्या कीजिए।

उत्तर- मुद्रा जारी करना केन्द्रीय बैंक का प्राथमिक और बहुत ही महत्वपूर्ण कार्य है। आजकल प्रत्येक देश में केंद्रीय बैंक और इसलिए हमारे देश में रिजर्व बैंक को नोट–निर्गमन का एकाधिकार प्राप्त है इस कार्य का इतना अधिक महत्त्व हो गया है कि केंद्रीय बैंक को **'निर्गमन बैंक'** (Bank of Issue) ही कहा जाने लगा है। नोट जारी करने की दृष्टि से केंद्रीय बैंक तीन मुख्य बातों को ध्यान में रखता है: एकरूपता, लोचशीलता (आवश्यकता के अनुसार मुद्रा की मात्रा तय करना), और सुरक्षा। रिजर्व बैंक मुद्रा की वृद्ध को एक सीमा के भीतर ही बनाए रखने का प्रयत्न करता है और इस प्रकार, स्फीतिकारी दबावों को नियंत्रण में रखता है।

प्र. 2. केन्द्रीय बैंक के कार्य "बैंकों का बैंक" की व्याख्या कीजिए।

उत्तर- केन्द्रीय बैंक बैंकों का बैंक हैं। केन्द्रीय बैंक का अन्य व्यवसायिक बैंकों के साथ वैसा ही संबंध होता है, जैसा एक साधारण बैंक का अपने ग्राहकों के साथ होता है। केन्द्रीय बैंक व्यवसायिक बैंकों के कोषों का संरक्षक होता है तथा आवश्यकता पड़ने पर व्यापारिक बैंकों को ऋण प्रदान करता है।

प्र. 3. सीमांत आवश्यकता से क्या अभिप्राय है? यह साख के नियंत्रण में क्या भूमिका निभाती है?

उत्तर- सीमांत आवश्यकता से अभिप्राय बैंक द्वारा प्रतिभूति के आधार पर दिए गए ऋण तथा प्रतिभूति के वर्तमान मौद्रिक मूल्य के अंतर से है। यदि अर्थव्यवस्था में साख की मात्रा को नियंत्रित करना हो केन्द्रीय बैंक सीमांत आवश्यकता को बढ़ा देता है, जिससे ऋण की मांग में कमी आने से साख का विस्तार कम हो जाता है। इसके विपरीत साख विस्तार हेतु सीमांत आवश्यकता को कम कर दिया जाता है।

प्र. 4. केन्द्रीय बैंक के कार्य 'सरकार का बैंक' की व्याख्या कीजिए।

उत्तर- केन्द्रीय बैंक वे सभी बैंकिग सुविधाएँ सरकार को प्रदान करता है, जो व्यापारिक बैंक द्वारा अपने ग्राहकों को प्रदान की जाती हैं। केन्द्रीय बैंक सरकार के बैंक एजेंट व वित्तीय सलाहकार के रूप में सरकार के लिए कोषों की व्यवस्था करता है। एक एजेंट के रूप में केन्द्रीय बैंक सरकार के लिए प्रतिभूतियों का क्रय-विक्रय तथा सार्वजनिक ऋण का प्रबन्ध करता है। साथ ही यह सरकार को उचित मौद्रिक नीतियों के निर्माण हेतु उपयोगी परामर्श प्रदान करता है।

6 अंक वाले प्रश्न

प्र. 1. मुद्रा/साख निर्माण से क्या अभिप्राय है? एक संरचनात्मक उदाहरण की सहायता से व्यापारिक बैंकों द्वारा किये जाने वाले मुद्रा निर्माण की प्रक्रिया को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर- मुद्रा निर्माण को ऐसी प्रक्रिया के रूप में व्यक्त किया जाता है जिसके अन्तर्गत एक व्यापारिक बैंक अपने निक्षेपों के आधार पर कई गुणा ऋण प्रदान करके अर्थव्यवस्था में मुद्रा की पूर्ति में वृद्धि करता है। व्यापारिक बैंक द्वारा किया जाने वाला मुद्रा निर्माण मुख्यतः दो बातों पर निर्भर करता है।

1. प्राथमिक जमाएँ
2. वैधानिक कोष अनुपात (LRR)
   साख गुणक $= \frac{1}{LRR}$

मुद्रा निर्माण की व्याख्या

माना अर्थव्यवस्था में (1) प्रारम्भिक जमाएँ-1000 रु. हैं। (2) वैध आरक्षित अनुपात 20% या 0.2 है। (3) अर्थव्यवस्था में कुल व्यय राशि पुनः बैंकों में जमा कर दी जाती है।

मान लीजिए प्राथमिक जमा 1000 रु. हैं। बैंक इस जमा से 200 रु. रिजर्व के रूप में रखकर 800 रु. उधार दे देंगें। ये 800 रु. अर्थव्यवस्था में होने के पश्चात् पुनः बैंक में वापिस जमा होंगे। व्यापारिक बैंक कुल जमाओं 800 रु. का 20% अर्थात् 160 रु. रिजर्व रखकर 640 उधार दे देंगे। यह कार्य पुनः बैंक की जमाओं में वृद्धि करेगा और यह प्रक्रिया निरंतर जारी रहेगा। कुल निर्माण कितना होगा यह मुद्रा गुणक द्वारा निर्धारित होगा।

मुद्रा गुणक

कुल मुद्रा निर्माण = प्रारम्भिक जमाएँ × साख गुणांक

$= 1000 \times \frac{1}{0.2}$ = 5000 रु.